रोजगार की तलाश वाले इंजीनियरों और डाक्टरों की संख्या

1587. श्री आर० वी० बड़े :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री अटल बिहारी वाजपेयी :
श्री मावबरा लिन्विया :

क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष कितने इजीनियरों, डाक्टरो वैज्ञानिको, तकनीशियनों, कृषि विशारदों तथा स्टेनोग्राफर्स ने रोजगार की तलाश की और इस समय प्रत्येक श्रेणी में यह सख्या कितनी है ;

(ख) उक्त अवधि में प्रत्येक वर्ष सरकार ने इन श्रेणियों के कितने व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया ;

(ग) इस सम्बन्ध में कौन सी दीर्घावधि तथा अल्पावधि उपाय किये जा रहे हैं; और

(घ) किस राज्य में इन श्रेणियों में रोजगार खोजने वालों की संख्या सर्वाधिक है ?

श्रम मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री बालगोविन्द वर्मा) : (क) और (ख) चालू रजिस्टर में दर्ज नौकरी चाहने वालों की संख्या तथा रोजगार कार्यालयों के माध्यम से रोजगार में लगवाये गए व्यक्तियों की सख्या सम्बन्धी सूचना विवरण—1 में दी गई है।

(ग) और (घ) सूचना विवरण–2 और 3 में दी गई है।

(क) और (ख) विवरण (आंकड़े हजारो में)

क्रमाक	नौकरी चाहने वालों का वर्ग	कैलेंडर वर्ष के अन्त में रोजगार कार्यालयों के चालू रजिस्टर में दर्ज नौकरी चाहने वालो की सख्या ।			
		1971	1972	1973	1974 (जून)
1	2	3	4	5	6
1	इंजीनियर				
	(1) डिग्रीधारी	191	22.8	23.1	20.6
	(2) डिप्लोमाधारी	54.1	59 8	55.2	47.9
2	डाक्टर (चिकित्सा शास्त्र मे स्नातक और स्नातकोत्तर)	4 0	5.3	5.8	6.5
3	वैज्ञानिक (विज्ञान मे स्नातक और स्नातकोत्तर)	109.3	174.5	226.8	226.1
4	तकनीशन (दस्तकार एवं उत्पादन प्रक्रिया कामगर)	309.1	448.1	575.3	598.8
5	शस्त्र विज्ञानी	1.7	2.6	2.6	2.6
6	आशुलिपिक	16.6	28.8	30.1	33.5

(आंकड़े हजारों में)

क्रमांक	नौकरी चाहने वालों का वर्ग	कलेंडर वर्ष के दौरान रोजगार कार्यालयों के माध्यम से रोजगार में लगवाये गये नौकरी चाहने वाले व्यक्तियों की संख्या			
		1971	1972	1973	1974 (जनवरी–जून)
1	2	7	8	9	10
1	इंजीनियर				
	(1) डिग्रीधारी	3.6	1.9	2.4	1.0
	(2) डिप्लोमाधारी	7.7	6.8	7.1	2.8
2	डाक्टर (चिकित्सा शास्त्र में स्नातक और स्नातकोत्तर)	0.7	0.7	0.5	0.2
3	वैज्ञानिक (विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर)	12.2	11.9	12 5	5.4
4	तकनीशन (दस्तकार एवं उत्पादन प्रक्रिया कामगर)	57.8	56.1	51.8	40.8
5	शस्त्र विज्ञानी	0.4	0.4	0.5	0.2
6	आशुलिपिक	3.7	3.4	2.6	1.8

टिप्पणी : विभिन्न वर्गों द्वारा सरकारी प्रतिष्ठानों में की गई नियुक्तियों की संख्या संबंधी आंकड़े एकत्र नहीं किये जा रहे हैं। स्तम्भ 6 से 9 में दी गई संख्या में निजी क्षेत्र में की गई नियुक्तियां भी सम्मिलित है।

2–रोजगार कार्यालयों के चालू रजिस्टर मे दर्ज नौकरी चाहने वाले सभी व्यक्ति अनिवार्यत बेरोजगार नहीं है।

3–दिल्ली में स्थित दो केन्द्रों को छोड़कर विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्ग दर्शन केन्द्रों के आंकड़े सम्मिलित नहीं है।

4–व्यवसाय के अनुसार नौकरी चाहने वालों के संबंध में साख्यकीय आंकड़े अर्धवार्षिक अन्तरालों पर अर्थात जून और दिसम्बर में एकत्र किये जाते हैं। दिसम्बर, 1974 के आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं है।

विवरण—2

(ग) सरकार विभिन्न पचवर्षीय योजना में सम्मिलित विभिन्न क्षेत्रीय कार्यक्रमो द्वारा इजीनियरो, डाक्टरो, वैज्ञानिको आदि सहित बेरोजगार व्यक्तियो के लिए अधिकाधिक सख्या मे रोजगार अवसर जुटाने के हर प्रयास करती आ रही है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने हाल के वर्षों मे नौकरी चाहने वालो के सभी वर्गों के लिए रोजगार अवसर सृजित करने वाली अनेक विशिष्ट स्कीमे भी कार्यान्वित की हैं।

1971–72 के दौरान शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियो के लाभ के लिए केन्द्र द्वारा प्रवर्तित एक विशेष योजना भी शुरू की गई। 1972–73 मे एक अन्य कार्यक्रम अर्थात् राज्यो तथा सघशासित क्षेत्रो के लिए विशेष रोजगार कार्यक्रम बनाया गया, जिसके लिए इस आशा से 27 करोड रुपये की व्यवस्था की गई कि राज्य भी समान राशि के अतिरिक्त साधनो की व्यवस्था करेगे। इनके अलावा, 1973–74 मे सरकार ने शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियो के लिए रोजगार और स्व-रोजगार अवसरो का सृजन करने की दृष्टि से पाच-लाख रोजगार कार्यक्रम तैयार किया।

पाचवी योजना मे क्षेत्रीय विकास कार्यक्रमो के साथ उपयुक्त रूप मे समेकित एव सगत रोजगार गहन स्कीमो को बनाते समय यह ध्यान दिया गया है कि समग्र नीति के अनुरूप अधिक सुव्यवस्थित तथा लगातार कार्य किया जा सके।

1974–75 मे स्व-रोजगार पर बल देने वाला रोजगार वर्धन कार्यक्रम चलाया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण पर और सीड पूजी सीमान्त धन आदि के लिए सरकार द्वारा कम से कम निवेश के साथ उत्पादक एव स्व-सृजित रोजगारो का सृजन करना है। जनवरी, 1975 के अन्त तक, 40 करोड रुपये के कुल विनिधान मे से 1,499 57 लाख रुपये की औपचारिक स्वीकृतिया जारी की गई है, जिनमे 68,159 रोजगार की क्षमता है।

अत इससे प्रतीत होगा कि सरकार इजीनियरो, डाक्टरो वैज्ञानिको आदि सहित नौकरी चाहने वालो के विभिन्न वर्गों के लिए रोजगार/स्व-रोजगार के अवसरो को बढावा देने के लिए उपलब्ध स्रोतो के अनुरूप हर सम्भव कार्यवाही कर रही है।

विवरण—3

नौकरी चाहने वालो का वर्ग	ऐसे राज्य का नाम जिसमे चालू रजिस्टर मे दर्ज नौकरी चाहने वालो की सख्या अधिकतम है।
1—इजीनियर	
(1) डिग्रीधारी	बिहार
(2) डिप्लोमाधारी	पश्चिम बगाल
2—डाक्टर (चिकित्साशास्त्र मे स्नातक और स्नातकोत्तर)	आध्र प्रदेश
3—वैज्ञानिक (विज्ञान मे स्नातक और स्नातकोत्तर)	पश्चिम बगाल
4—तकनीशन (दस्तकार एव उत्पादन प्रक्रिया कामगर)	बिहार
5—शस्त्र विज्ञानी	महाराष्ट्र
6—आशुलिपिक	बिहार।